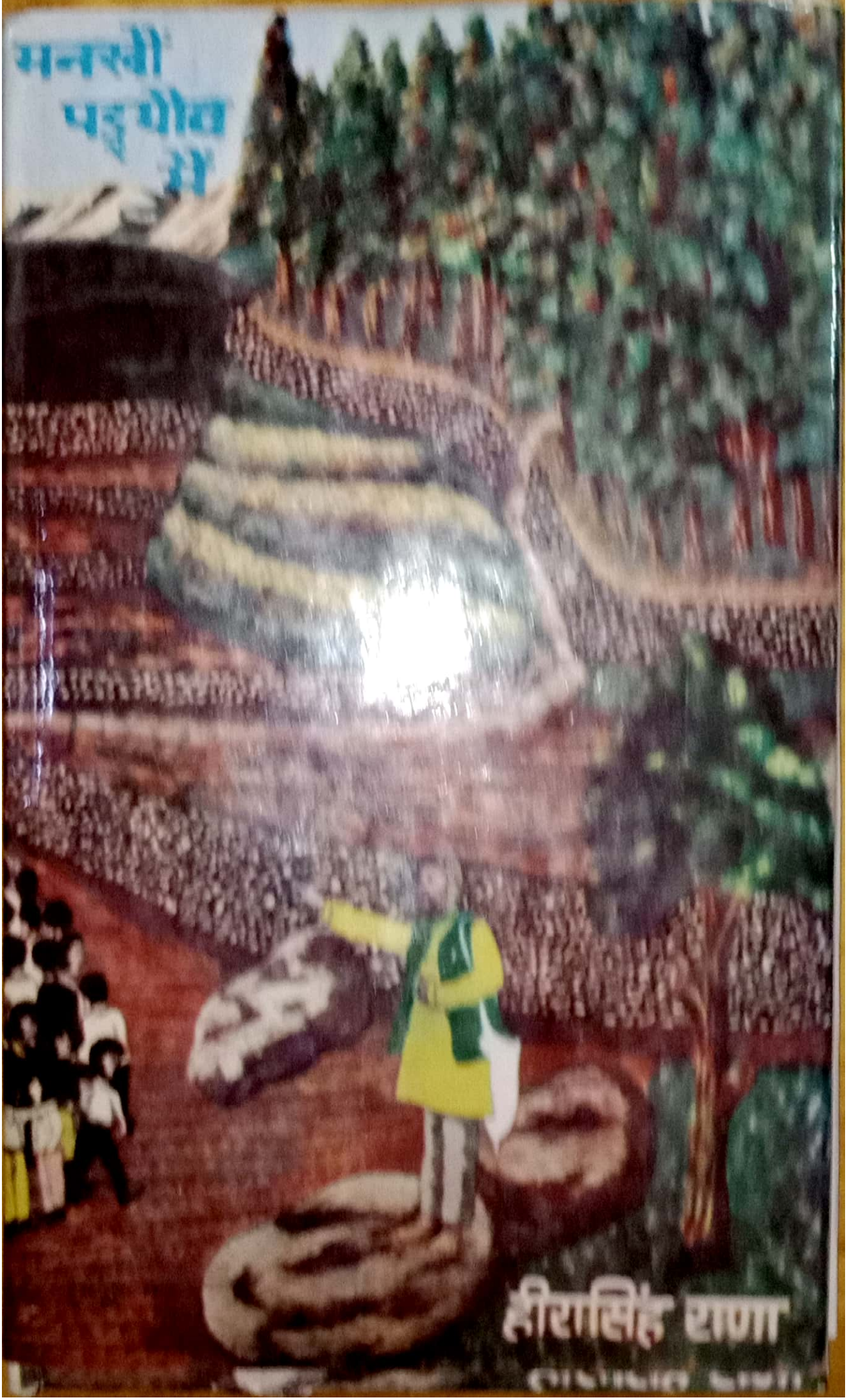

Scanned with CamScanner

मनखौं पड़यौव में

हीरासिंह 'राणा'

विनि प्रकाशन

पन्नालय मनिला
अल्मोड़ा (उ. प्र)

Scanned with CamScanner

मनखौं पड़्यौव मैं
(कुमांऊनी गीत संग्रह)

(C) लेखकाधीन

प्रथम संस्करण १९८७

मूल्य १० रुपए
सजिल्द २० रुपए

प्रकाशक बिन्ती प्रकाशन
पत्रालय मानिला,
अल्मोड़ा (उ.प्र.)

चित्रकार: दिनेशचन्द्र बलोदी

मुद्रक : बिन्सर प्रिन्टर्स
डी-९६ बाबा गंगनाथ
मार्किट, मुनीरका,
नई दिल्ली-११००६७

नोट- यौं गीद या कविताओं कैं बिना लेखकैं इजाजत लेइयै कै तरीकैल् छापौंण या कैसेट करौण कापीराइट एक्टक अनुसार दण्डनीय छौ।

इजा

'त्यौर नौ ल्हिबै'

मेरा मनपसंद कुमाऊनी गीत
की कॉपी
[illegible]
6-6-2018.

बहादुर राम टम्टा ज्यू
कैंणि सादर
समर्पित

Scanned with CamScanner

अभारक द्वी आंखर

कुमाऊंनी गीद, कविताओं में रुचि ल्हिणी पाठक मितुरो ! 'प्योली और बुरांस' गीद संग्रहाक बाद गीद, कविताओंकि यौ द्वहरि भेट 'मनखौं पड़्यौव मैं' आपूं लोगों सामणी छौ। कुमांऊनी गीदोंक यौ संग्रह कैं छपांणक ल्हिजी, भौतै कोशिष करिबै लै मैंकैं यौस क्वे प्रकाशक नि मिलि सौक जौ यकणि छापि द्यवौ। आखिर में आपण धड़्यी-दघड़ियों हैं मैंल यकैं छपांणक ल्हिजी विन्ति कर्‌यी। उनैरि अधत-मधतैल, यौ किताप आपूं लोगों हातौं में छौ। आश छौ आपूं यकै पड़ला, गुणला और आपंणि राय मैंकैं द्यला।

आज कयेक कुमाऊंनी ब्वोलिक कवि कोशिष करणई कि थ्वड़ भल सहित्यिक गीद समाज्‌ाक सामणी धरी जैं पर उनार ल्हिजी लै यौ एक समस्या छौं कि छापौ क्वो ? कुमाऊंनी ब्वोलिक पाठक जो सारै देशाक ठुल-छ्वाट शहरों में रचि-बसि गयीं उनूं तक साहित्य कैं पहौचौंणक माध्यम लै क्वे दुरस्त जौस नहांतिन। कुमाऊंनी ब्वोलि, जो आज एक इखार सांस जौस ल्हिणै, यौस लागणौ कि कुच्छै रंग-मन्चों तक समेट्‌यौणै या फिरि पुस्तकालयों में अथर्‌यी जांणै। यौस नै हैं कि राज सरकार या आन्चलिक प्रशासन याक ल्हिजी क्वे भलि मधत करणौ या समाज में समजदारिल क्वे ठोस पौ उठायी जांणई।

यौ कविता संग्रह कैं आपूं लोगों सामणी ल्यांण तक जन दघ-ड़ियौंल म्यैंकैं मधत करी उन सबूंकै नौ तौ ल्यखो नि जै सकुन पर जो मित्रोंल दिन-रात एक कैबै यकैं प्रकाशित करवाणक ल्हिजी आपण कीमती समय द्यछ। उनों में सबू हैबै पैली श्री पुरुषोत्तम शर्मा और उनरि धर्म पत्नी श्रीमती देवुली देवी ज्यूक मैं भौतै

Scanned with CamScanner

अभार माननूं जनुल प्रकाशनाक समय, बखत-बेबखत म्यौर रौण-खणौक बनोबस्त कैबेर म्यार प्राण धरीं। वींक बाद हीरासिंह चौहान(सुपुत्र स्व० बचेसिंह चौहान)कैं धन्यवाद दिनू। नान भुलि मानसिंह, नन्दनसिंह अधिकारी, कुमारी सरस्वती मठपाल और मायादत्त नैनवालौक, लै मैं अभार छौं जनुल रंङमन्चों में म्यर गीदोंक प्रचार-प्रसार करौछ। ख्वट् भै प्रहलाद लछमन, पिर्‌यी मोतिल जौ प्रकाशनाक ल्हिजी उत्साह म्येकैं द्यौ, मैं उनूकैं सिरप आशीषै दी सकनूं।

आब मैं भाई नारायणक ल्हिजी क्ये ल्यखूं कि जैल दिन-रात छापखांण मैं भुक-तिस रहैबै लै यौ ब्वोलिक आंखर गठ्यांण, सज्याण में आपणि सामर्थ हैबै ज्याधे मधत करिछ याक ल्हिजी मैं उनूहैंणी अन्तर्आत्माक गहराइल मंगल-कामना करनूं।

आंखिर में इजै हैंणि ढोक नवै बै याद कौंनू...

म्यार प्रेरणा श्रोत:-

सर्व श्री डा० नारायणदत्त पालीवाल, मनोहरश्याम जोशी, क्षितिज शर्मा, स्वर्गीय चिन्तामणी पालीवाल, कुबेर कड़ाकोटी, ब्रजेन्द्रलाल शाह, मोहन डप्रेती, दीवानसिंह बजेली, मधोसिंह मेहता, चन्दनसिंह मनराल, नरेन्द्रसिंह वल्दिया, शिवदत्त पपनै, जोगासिंह, बचेसिंह राणा और स्व. तारादत्त बनेली।

विशेष सहयोगियों में... सब्बुं हैबै पैली म्यौर दगड़्यी शंकरदत्त भारद्वाज व्वीक वाद सर्व श्री प्रतापसिंह वौरा, मदनसिंह सत्यपाल, ताराचन्द भट्ट, भूपालसिंह विजेता, कविदत्त भट्ट, प्रेमसिंह पवार, देवकीनन्दन भट्ट, बचनसिंह बिष्ट, हीरावल्लभ उप्रेती, शीषराम नैनवाल, रामदत्त शर्मा, प्रताप शाही, हीरा लोहिया, अनिल पालीवाल, चन्दन सिंह मेहता और स्वरूप ढौंढियाल ज्यूक मैं धन्यवाद करनूं जनैरि मधतैल यौ किताप आपूं लोगौंक हातों तक पहौंचि सक्यी।

हीरासिंह 'राणा'

Scanned with CamScanner

विषय सूची

गीद क्रम	पृष्ठ
१. ढोक	९
२. फूल टिपौ टिपौ हैरै	१५
३. भिड़च्याप	१७
४. आजादी मिली रै	१९
५. सनक	२२
६. गीद क्स ल्येखूं	२३
७. गङरथ	२६
८. दुल्हैंणी	२७
९. उमाव	३०
१०. म्येरि नौली पराणा	३१
११. पिङव अगास	३३
१२. कसर	३४
१३. टिमासैल हिटणियां	३५
१४. पितिल मनख	३८
१५. ख्यलकार	३९
१६. औसांन	४२
१७. गरीबा त्यौर गों लै दादी	४३
१८. बखत और हम	४५
१९. चितै निसक	४६
२०. तुम निचन रौहौ	४७

Scanned with CamScanner

२१. बिणाई जुग बजानें गया ४९
२२. जुग जितुला ५१
२३. मुस-बिराव ५३
२४. टनकाओं वानी ५५
२५. खोज ५८
२६. बुस्यिल कुड ५९
२७. महेड़ी ६१
२८. सुरा-शराब ६४
२९. पन्दर अगस्त ६५
३०. लादे पीड़ ६७
३१. पिउली ७१
३२ हिट् ये माठू-माठू ७३
३३. होरी अंग्ये ७४
३४. मनखों पड़वोंव मैं ७५

Scanned with CamScanner

ढोक

हे सद्गुरू ! हे परमेश्वर ! तुम,
सब्बुंकि मत्तिम,
अमिरत सर-सर
बरसाओ हो ।
सबै तुमरि कथ,
कौंनी जग-जग,
जुग-जुग बटि यौं
सब कवि संता,
दुःखी-सुखी नौं लिहनी,
शांति कै प्यिनी,
हमार लै अन्यार हिकव-हन्
आपौंण रूपोकी
दिया जगाओ,
यौ अशांति कौ
अन्यार फटाओ,
चमचकार हौ
घ्यानम,
ज्ञानौक सूरज अै बटि,

Scanned with CamScanner

सब्बुक अखां में
छल छल-छल छल
ज्योति उज्याइ दिऔ,
देखियौ
हमूकैं सबूकैं
प्रभू ज्यू !
उज्याव उज्याऔ,
नौल उज्याऔ
गरकाऔ हो ।

उड़नैं-पड़नैं-रड़नैं-झड़नैं
कां छी कां हम अैपाड़ भगवन् !
जनम जनम की
डाड़
तुमुल सुंणी,
कु-करम, सु-करम
कम वांकि ज्ये हुंनाल
तुमैं ज्यांणछा,
लैग्ये तुमुकैं कयि-कयि,
हमुकैं मनख वणै दी ।
तिड़ि ग्ाय हम,
फिरि भुलि ग्ाय
मन्थम,

Scanned with CamScanner

कौंण क्ये छी आब
कोंण क्ये लै रौं ?
झुटी, तिताई फसक लगौणम्
कसक नि लागनि,
जथखै-तथखै
म्यार पोंइयांक छैं तिक्खा सीङ,
जैल् जो हानि दी
मैंसुल मानि दी।
मांफि माङनू आब
ज्यांणि फिरि औंल कव,
सांच्चि बुलैंहणि,
करम बुस्यैं हणि,
मनखै जुनि छौ
भागैल मिलिछौ,
मिलि पड़ि जैकैं ब्वी ब्वाई जां।
लाखों मैं क्वे
एम पैद हौंच,
राम, कृष्ण, गौतम, ईसा जौस,
या फिरि क्वे
सुकरात या मीरा –
विखिल् मैंसौंका विख उपट्यै हणि।
मरी- तरी जसि
आज जो यौ मन्ख्यौव बची छौ–

Scanned with CamScanner

कर्जदार छौ उनरि जो
अै बटि शांति प्यायानी,
बिख उपट्यानी ।
हे सद्गुरू ! आब
सब्बुकि उमरम्,
द्वी आंचुइ भरि
किरपा आपणि
तपकाऔ हो ।
तुमार खुटाँ मुण ढोक नवै बटि,
उमई, बुकइ, सुज्यई गीदोंक
फूल चड़ानूं,
आशिष चांनू,
कलमैकि पति आब
तुमुलै धरणिछ ।
रस छन्दोंक न्यिछ ज्ञान म्येकणि क्ये,
जो हाथ लै गोय,
व्वी आँखर टिप;
खितकार हैंसिक
या फिरि आंस ल्यिप ।
चड़िक बासणौं, डाइयोंकि स्यां-स्यां
बाछिक रामौण, फ्योंनैकि ठ्यां-ठ्यां,
बुड़ पण्डित ज्युक पाठ पड़ौण या

Scanned with CamScanner

कान्तुलि काखिक पितरों कैं बिटमौंण,
छ्वाट् नान-नान्योंकि आसुति, बासुति,
दारी, धोंस्यला,
झ्वाड़, चांचरि, ज्वानोंक गाई थ्वाड़,
जांणि कैका मन
औंनी-नि आना,
महारजान का रजा तुमा-
मन-मन में रहणी-
सब्बुक मन में,
आनंदै कैं
भरि जाऔ हो।
आब आखिर में
हे परमेश्वर !
विन्ति कौंनू उन् मनखों ल्हिजिया,
जा पड़नी कम, जाध्ये गुणनी,
धर्ति अगासक
गङरथ बुणनी,
ज्ञान और विज्ञानक बीचम
व्वीड़ वणि बै
जो धात लगौंनीं,
वांटुल कौवी।
भैंटौ मत्तिम उनरि,

Scanned with CamScanner

एक धत्कार मारि दिओ,
शांति शांति
मैं कुम्भज छौं हो ।
सात समून्दर एक्कै सांसम
अगर प्यि दी मैंल
फिरि क्ये बांटला ?
संसारक-क्वे
किड़ किरमोई,
ढुङ-डइ, डंगर
डायि बोट्यों कणि
अब न बुस्य'औ ।
रीस ख्यड़ौ,
भल् गीद म्यसाऔ,
जो अरगै बरमान्डम गाजौ ।
हे मनखौ !
आव पुराणि तरज का
भल् स्वर टिपिबै
नौलि पिरितौक,
मिलि जुलि बै क्वे,
नई नौल झवौड़
धरकाऔ हो ।

Scanned with CamScanner

फूल टिपौ टिपौ है रै

फूल टिपौ - टिपौ है रै
आज प्यरा गौं में,
नील कुपव लग-लगै रै
फुलौ के हैं कौं में ॥

प्यार उणैकि सब्बूकैं छौ,
रौण क्वो चहां बन्द ?
औसांणै लै भक् - भकै रैं,
कै कैं लगौं कन्थ ?
आय यो कौसौं त्यार जांरैं
सब्ब वारका भौ में ।
नील कुपव लग-लगै रै...

घाम खायौ, द्यौ में भिजा,
भ्वोगो सी - सी कार
कैल निकोय कस् है रौछा,
क्वो करुंछा प्यार ।
द्यप्तों कैं चड़ाऔ है रै
सब्बै लै रैं दौ में ॥
नील कुपव लग-लगै रै...

Scanned with CamScanner

ह्यौ अैंगो पुज्यारि द्यखौ धैं
कैकैं टिपूं ज्याणीं ।
चुप्प छना रज फूलों का,
चुप्प फुलों की राणी,
हर कुपइक रङ उढ़ैंगो
कै कैं मलासौं मैं ।।
नौल कुपव लग-लगै रैं…

टप्पा-टपी टिप् फूलिया,
फूल पुज्यारी लै ।
बिन मुनई डङ फुलैं हैंणि
कभ्भैं क्या हारींलै ?
फुल्नै रैंल युँ फूल रौज्जै
संसारै की स्यौव् में ।
नौल कुपव लग-लगै रैं…

रोज फुलिल फूल, टिपिल
उनुकैं पुज़्यारि जो छैं।
द्यप्त है जैं फूल सबै
यस पुज्यारी क्वो छैं ?
इन् फूलौं कैं अत्र न ख्यतौ
कच्याई ढुङौं में ।
नौल कुपव लग-लगै रैं
फुलौ कै हैं कौं मैं ।।

Scanned with CamScanner

भिड़-च्याप

भिड़च्याप में हरैंगे
मनखै मन्‌ख्योव,
आब चांणौ
जब जांणौ क्वे ब्वौया
ठोकरां पारि
आघिल,
और पछिल भीड़,
मनख्योव च्यापिग्ये-
थान थापि ग्ये।
थानम् घण्टि,
कलषम झंण्डि,
हातम कण्ठि,
मनखा आब निहौ,
चां छै जून
खाँचै खून,
माटम भैटिबै रिखड़ मारछै
कुटइ ख्येड़ि बै
बन्दूक कारंछै।

Scanned with CamScanner

एक खुटि खूनम
दुहरि जूनम
झुल्यी रछै
पगला ! भुलि गछै
फिरि लै होड़ लगांछै
अरे -
ध्रुवों कैं जाणछै ?

Scanned with CamScanner

आजादी मिली रै

आब हम हैगों अजाता,
आजादी मिली रै ।
घर घर में है रैं बाता
आजादी मिली रै ॥

र्‌यल-प्यल् में च्यला च्येली,
फैंसन में दगड़ छैं ।
देख्यिण में बड़े छैंला,
लुकुणा में नङाड़ छैं ।

च्यापण भैंगीं मरज्याता,
आजादी मिली रैं ।
आव हम हैगों अजाता,
आजादी मिली रै ॥

इस्कूल में नाटक छैं,
सड़कों में रिहर्सल ।
मोटर में छोपा-छोप,
होटल में छैं बोतल ।

Scanned with CamScanner

थानम् हैं रैं स्योंराता,
आजादी मिली रैं ।
आब हम हैगों अजाता
आजादी मिली रैं ॥

अंगरेजों की अंगरेजी,
कुर्स्यों मैं अड़ी छा-
राष्ट्र भाषा हिन्दी,
ध्येइ भ्यार ठड़ी छा ।

को थामूँ वीकौ हाता,
आजादी मिली रैं ।
आब हम हैगों अजाता,
आजादी मिली रैं ॥

चन्दैल छपंरैं 'गीता'
सौंकार निदिन ध्यौल ।
'रामैंण' सुणैं हैंणी,
को जांछ कावौ च्यौल ।

छन् घामैं हैग्ये राता,
आजादी मिलि रैं ।
आब हम हैगों अजाता
आजादी मिली रैं ॥

Scanned with CamScanner

बुलि-बुलि हैं नें है तेला,
काट्यीगे धम्येली ।
टोपुलि हरैंग्ये टांको,
नैं तौव नैं तस्येली ।

नेताओं का परसाता,
आजादी मिली रै ।
आब हम हैगों अजाता,
आजादी मिली रै ।।

कैं हैंणि सुकीग्ये सीरा,
क्वे ब्वौ काटूँ गंगम ।
हर पीड़ हरेक हैंसी,
'कारट' में ट्वणीं दम ।

हम कैं कैं लगों धाता,
आजादी मिली रै ।
आव हम हैगों अजाता
आजादी मिली रै ।।

★★

Scanned with CamScanner

सनक

यौ बुजर्गी
पुराण-कुड़पन
खाल्ली
कल्ल पड़ि रौ;
मनख
मरि गयीं
सनक
धरि गयीं ।

Scanned with CamScanner

गीद कस् ल्येखूँ

वताऔं गीद कस् ल्येखूं ?
यस् ल्येखू कि यस् ल्येखूं ?
मैंकैं सव गीद आनी हो,
कौंछा तुम जास मैं व्वस् ल्येखूं ।

छैं वाणी - वाणिका गीदा,
ठुलीका नानिका गीदा
छैं त्येपुर महलोंका गीदा
छैं टुटिया छानिका गीदा
सुनाका चांदि का गीदा
छैं फुटिया भानिका गीदा
या द्वी डवलम् जो ब्येचीगे,
रङीली ज्वानिका गीदा

या ज्यौनारक् ल्हिजी ब्येची-
जो ऊ थानोंक् कलष ल्येखूँ ?
बताऔ गीद कस् ल्येखुँ ?

Scanned with CamScanner

क्वे एका कुण पना भैं बटि
जो गंणै हैं सांस जै ल्येखूं ?
या जौं कौ मोल क्ये न्हैंतिन
उं आंख्योंक आंस जै ल्येखूं ?
यूं धौ खाण पुर्याण है रयीं जो
रुपैनूकि रास जै ल्येखूं ?
गरीबा मरि गयौ भूकैल,
मैं व्वी की लास जै ल्येखूं ?

या नाङड़ि लास बिन् कफनैं
नि आय कै कें तरस ल्येखूं ?
बताऔ गीद कस् ल्येखूं ?

मैं गीदा हंसुलिका ल्येखुं,
कि नाखैकि नथुलि का ल्येखुं ?
या ल्येखुं टिक - चर्यौ धागुलि,
कि झड़िया बिन्दुलिक ल्येखूं ?
या गाजनि मुरूलि कैं सुणि बेर
नाचनि रधुलि कैं ल्येखूं,

कि ल्येखूं हियैकि चस्साक,
या मन्खोंक मन् बिबस ल्येखूं ?
बताऔ गीद कस् ल्येखूं ?

Scanned with CamScanner

यौं गीद ग्वाव गानी डान्यूम,
यौं गीदा चुलि-चूल्यौंक छैं हो ।
यौं गीदा छ्वर-मुया गानी,
यौं गीदा दिदि-भुल्यौंक छैं हो
यौं गीदा कौतक्यरा भौंणनी
यौं गीदा झुल्यी फूल्यौंक छैं हो ।
छैं गीदा व्वीक लै जैका
रव्वरन जगिया छिलुक छैं हो ।

मैं ल्यखुनूं हैंसिका खित्कर,
बगन आंख्यौंक् रस ल्येखूं ?
बताऔं गीद कस् ल्येखूं ?

हिकव हुन थुपुड़ गीदोंक छैं
क्ये ल्येखूं बांचणी क्वो छा ?
टुकुड़ ज्ास छवोड़ि दिया कौंनो
टुकुड़ कैं छांटणी क्वो छा ?
लगै द्युल रास गीदोंकी-
भलस्यौ समजणी क्वो छा ?
धरौ क्वे हियैकि चाइणि में
पै चाव्वौ चावणी जो छा ।

नि हैं यौं गीद पुर कभ्भैं
चुम्म ल्येखूं या झस्स ल्येखूं
बताऔ गीद कस् ल्येखूं ?

Scanned with CamScanner

गङरथ

मिठ गीद्
तित हैगीं ।
भरी अंख,
रित् हैगीं ।
गङरथौंक,
फजित्त हैगीं ।
रोज्जै हैंल-
दिन् रात,
दिन् अैंल-
जुगां बाद ।

Scanned with CamScanner

दुल्हैंणि

कानिम् धरिबै ड्वेलि कैं,
डन्येरू न्है गय हो।
हम पड़ना पौ-नौं कैं गणनैं
र्‌है गय हो ॥

कतुक वर्‌यातम् मैती-गोति
धौकर्‌येती छिया।
कतुका ज्याण पन्यार्‌ाक
आपत ह्येती छिया।

पर उं स्वीण जो नन्-छन्
बैं म्यर सैंती छिया।
निर्दयि ज्वानिल् काटि-छिनैदी
ख्येति दिया।

म्येकणि ब्योलि वणैं बै
उठै बै ल्हिनै गय हो।
हम पड़ना पौ-नौं कैं
गणनै र्‌है गय हो ॥

Scanned with CamScanner

चन्चल बाली उमर उछ्रांण लागि
घाम जसी,
शर्मैंकि क्वोखिम लुकिग्ये क्वे
बदनाम जसी !
बघतैल मारि सिक्वोड़िल् खैंचि
लग्याम जसी,
मैतैकि मुलुकि रै हैगे बस्स् एक
फाम जसी,
आंस् बिरूठ रई-थाकी फाम लैं
ध्वे गप हो।
हम पड़ना पौ-नों कैं,
गणनै र्‌है गय हो ॥

बट्पन कतुकुंल धुङ्ट उठाय
पुछ ब्योलि कसी ?
कैल् कौय बानैकि थुपुड़ि, कैल कौय
छौ रूपसी,
खै गय स्वीणों कै स्वींण, यौ-
घड़ि अैछ कसी ?
हियन् उदेख आंखिम् छैं आंस
होंटुम् हैंसी ।
बिछुड़ि बै लै सबौं दगड़ म्येसिणा
भै गय हो ।

Scanned with CamScanner

हम पड़ना पौ-नौं कैं
गणनै र्‌है गय हो ।।

आंख्यौंकि सुपि आंसों क बूस जौस
छिटनि रैहै,
उढ़ानि पुराणि फामै क पराणी
किटनि रैहैं ;
इजैकि म्येरी गिलि आंखि आख्योंमा
रिटनि रैहै–
खुटी डन्येर्‌योंकि थाकिगे फिरिलै
हिटनि रैहै ।
एक मुलुकि छ्वोड़ि द्वहरिम् हर्‌र
बिलै गय हो ।
हम पड़ना पौ-नौं कैं
गणनै र्‌है गय हो ।।

Scanned with CamScanner

उमाव

बर्षों बै सुकी धर्ति,
जब
आग उखाई दिंयछ,
पहाड़
पिघइ जानी,
समुन्दर
उमइ जानी,
बादल
बरसनी,
पर, चातक
तरसनी ।

Scanned with CamScanner

म्येरि नौली पराणा

अजकाल हैरै ज्वाना,
म्येरि नौली पराणा ।
म्येरि मन् क्यै अैरै वाना,
म्येरि नौली पराणा ।
मैल भल् कैरईं दाना,
म्येरि नौली पराणा ।।

जव जैं छैं शुवा वाट् में,
छट्कानै छ्वौड़ै कैं ।
सव चाइअै रै जानी,
त्यर-म्यर य ज्वड़ै कैं ।
सव न्है जां त्येपरि ध्याना,
म्येरि नौली पराणा ।।

यौ रूप क्यछ् यौ जोभन,
भरमत्त हैरैं सव्व ।
म्यर गों-गाड़का नान्-तिन्,
त्यर भक्त हैरैं सव्व ।
हिट् थापि दयुं त्यौरौ थाना,
म्येरि नौली पराणा ।।

Scanned with CamScanner

आंख्यौं में आपण तू म्यौर
थ्वड़ छैल चैहै ल्ये,
अैंछै या निआनि भोल
तू अैल चैहै ल्ये ।
हाजिर छौ म्येरी ज्याना,
म्येरि नौली पराणा ॥

जै दिन् बै त्यकैं द्येखौ,
मैं भुलिगों अफूं कैं।
वस एक त्येरी अन्वारा,
द्यखनूं में सबू में ।
पर खाल्लि छौं परेशाना,
म्येरि नौली पराणा ॥

अजकाल हैरै ज्वाना,
म्येरि नौली पराणा ।
म्येरि मन् क्ये अैंरै बाना,
म्येरि नौली पराण ।
मैल भल् कै रईं दाना।
म्येरि नौली पराणा ॥

★

Scanned with CamScanner

पिङव अगास

फट् - फुलणो कुपइ बुरांस,
ट्वकैलि त्येरि मुखड़ि मैंकैं।
एसि उमर कि अट्क्यी आंस
ट्वकैलि त्येरि मुखड़ि मैंकैं ॥

नाखैकि नथुलिम् नग चम्-चम्कों,
जोभन या जिवर कैं हैं कम् कों ?
रत्ब्याणै कै पिङव अगास –
ट्वकैलि त्येरि मुखड़ि मैंकैं ॥

यौस वोल कि थानम् घानि बाजीं,
त्यर हंसणम् पुर धुंर-ड्रानि गाजीं।
वान-बाजैकि पिपिरी कै सांस,
ट्वकैलि त्येरि मुखड़ि मैंकैं ॥

गाड़ैकि अंस्याइ जसि चुपड़ि-चिफइ;
ह्यौ रड़ै कै रास मुखि पिङइ-पिङइ।
धम्येलिम् उर्यीआ चौमास,
ट्वकैलि त्येरि मुखड़ि मैंकैं ॥

मैल सुण्यींछौ अगासम् परि उड़नी
तुलै कम जै क्येछै पर जब सुणनी
अब यकलि घुगुति जै न बास
ट्वकैलि त्येरि मुखड़ि मैंकैं ॥

★

Scanned with CamScanner

कसर

द्वी गासम्
उमर छौ,
अगासम्
नझर छौ
हर सांसम्
कसर छौ
सब्ब कसर
पुर्‌यी जैं
जब उमर
चुर्‌यी जैं।

Scanned with CamScanner

टिमासैल् हिटणियां

टिमासैल् हिटणियां,
हिटौण मन् क्ये आम्हौ ।
लटक दो – ढई छैं,
धम्यौल झूल खाम्हौ ।
जरा भैंट द्वी घड़ि,
कतिकि हीक लै रै ।
भौतै छ्वेटि उमर हैं,
बखत कैल थामौ ।।

यौ वट् मैं गई भौत
जोभ्न छलकनैं,
क्वे आम्हौ क्वे जांम्हौ
क्वे ह्यों जौ विलाम्हौ ।
इतुकै छौ की तू म्येरि
मन्कै रूपस छै,
नतर एसि उमर में
कैहैणि क्वो बुलाम्हौ ।

रङिल फूल द्येखि बै
क्वो आङुइ नि उठनी,
पर टिपनी उनूकैं -
जो मन् जैक आम्हौ ।

Scanned with CamScanner

यौ अद्पौशी जोभन -
जव पौसण में आंछौ,
नि आनि क्ये सजम -
ज्याणि क्वो चड़कै लिह्जाम्हौ।
शुवा फाम तव अैं
जव घामा उछै जां,
श्यवं ग्ये पराणि -
फिरि पछिल् क्वो चिताम्हौ।

श्वड़ै रौं वघत वांकि-
रैहैं खैंचा - ताणी,
क्वो ज्याणुछ क्वो घड़ि में
कह्यीं क्ये है जाम्हौ।
यौं धन् भाग म्यर छैं
या अपणै समजि ल्ये,
मगर वीकी जै हो
जो हमुकैं मिला म्हौ।

तु मुख पल्ट्यै वटि अव -
न रौ दूर - टाड़,
अन्हाइ लागि बै लै
क्वो पछिल् कैक आम्हौ।
दगौड़ कौंण निहौंण सैज
कै कैं मिलनी दघड़ी,
जै कैं मिलनी वी -
यौ उमर कैं पुर्यांम्हौ।

Scanned with CamScanner

यौ भिड़च्याप मैं बाना
रूपास दैंण वौं छैं,
पछिल् झन् कये
कैल् म्यौर हात नि थामौ ।
मनम् त्येरि शुवा अव-
जसि छा वस्सै कै ल्हे तू,
दिन् - दिन् ह्यौ जोमन्
वस्सिकै उढ़ांम्हौ ।

जैं छैं जा जांणी कैं
रोकौण भौल नि हौंनौं,
मुखै जव नि मिल्ना
कुनइ क्वो सुज्याम्हौ ।
टिमासैंल हिटणियां
हिटौंण मन् क्ये आम्हौ,
लटक दोढई छैं
धम्यौल झूल खाम्हौ ।

जरा भैंट द्वी घड़ि
कतिकि हीक लै रै ?
भौतै छ्वेटि उमर हैं
वखत कैल थामौ ॥

★

Scanned with CamScanner

पितिल मनख

पुरण कुड़,
टुटि-गई ।
द्‌ान सयाण,
उठि गई,
नौल कुपव-
फुट्‌ि रई ।
मनख अब्‌-
पितिल्‌ है गो,
टप्‌ टिपौंण,
सितिल है गो ।

Scanned with CamScanner

ख्यल्कार

हम यस अबरौनी ख्यल्कारा
पेटम् र्वे गीदा गिच भ्यारा।
फुलि पड़ हम फूल यसा डानिम्
क्वे धार मनख हम क्वे धारा ।

बाटिम् दगड़ी द्वी चार मिली,
क्वे मन् भितेरी क्वे भ्यार मिली।
अल्झी गय बिपतिक् झील में जब,
क्वे वार मिली क्वे पार मिली ।

छल्कानै रहय हम उमर भरी,
कौव उंठुम् हैंसि लाल झचकारा ।
हम यस अबरौंनी ख्यलकारा ।

ग्राय गीद हैंसणों रंङिल चङिल्
सब्ब हैंसि गय खित् खित् खिल् खिल् खिल्।
कैल हात् चटकै बटि ताल बजै,
क्वे ठौरम् नाचि गय बिल् बिल् बिल् ।

Scanned with CamScanner

गय पुठ पल्ट्यानै बटां बटां,
धौ थाम हमुल मन् पितमारा ।
हर यस अबरौनी ख्यलकारा

तिति लागिछ मिट्टा गोद गहाय,
हैंसै बैं सबुकैं रूणम् रै ग्याय ।
गइ चिरोड़ी ग्ये गानै - गानै
छ्वौड़ि पीड़, अरग सब्ब निचोड़ि ल्हि गय ।

हम भुलि गय हुड़कैकि फम् फम में
स्वारथ छौ सारे संसारा ।
हम यस अबरौनी ख्यल्कारा ।

न मुया कैल् ब्वौया ल्यखम-लग्याय,
हम भल् भैसौं में पगली ग्याय ।
जैल्-तैल यां वां बस्स ढ्यस मारी,
ख्यलकार मनक हाय भंवरी ग्याय ।

यस उठनि हिकव हुन सम्यर जसा,
मन् कौंछ लगों र्वेकि छ्वे-नितारा ।
हम यस अबरौनी ख्यलकारा ।

जब डाड़ अैं मन्कैं समजानू,
अपणों कैं भीड़म कां पानू ।
कल्जिम पड़िया सब घौं नों में,
लूणी पांणि आंख्युक तौहड़्यानू

Scanned with CamScanner

औच्याट असन्तम पनपौं हम
हैंसि कां द्युछ हमुकें संसारा ।
हम यस अवरौनी ख्यलकारा ।

ख्वे बटि लै क्य हौल् क्वो आंस पोछौं
क्वो द्येखों गंगम पिघई ह्यों ।
जैल पिघई पाणिम् आग स्यकीं
वी यौ हैंसि ख्वे कें ज्यांणि सकौं ।

ग्ये उमर सरासरि हम् शुरू-शुरू,
यौ बखत रौहौय रोज अपन्ह्यारा ।
हम यस अवरौनी ख्यलकारा ।

Scanned with CamScanner

औसान

गइ गइम्-
गव गव छौ।
हर मनम्
कव मव छौ।
थड़ थइम्
खव खव छौ।
क्वो सुणों ?
चुपै रौ,
क्ये नकौ
चुपै रौ ॥

★

Scanned with CamScanner

गरीबा त्यर गौं लै दादी

गरीबा त्यर गौं लै दादी,
गरीबा म्यर गौं लै दादी।
रहौसिकि टांकि शहरयौं लै
हो आपंणै रव्वर परा वांदी ॥ गरीबा...

यौं हांट् भांट् ट्वौड़ि, पहोंड्यार फोड़ि-
द्यख नै धाम-सी कन्-मन्।
गोहौकां तरक लै गरकाय-
फिरी लैं कब्भैं न्यि भरी भन्।
नै तेले पइ नै लूणै डइ-
नै पिसियैं फांक यौ चुलपन्।
यूं नाङड़-भूत नन् खुलपत,
गलड़ोंमें आंसौं की रन-मन्।

नै आंसा पोछणक टैम,
नै द्वी घड़ि जुड़्यै सकि छाती ॥ गरीबा...

Scanned with CamScanner

घागरि पारि सौ ट्राल धारि -
गों की सैंणीलै पैरी ।
नै तान्-तान् कय नै द्वीदिन् पाय्
उमर ग्ये रोज र्वे बेरी
निहय द्वी र्वाट पर्यापत झट -
उमर न्है ग्ये मुखड़ पयेरी ।
नै दिन् द्यौख रात फिरि क्ये बात,
रहै ग्याय गरीबिका घ्येरी ।

कभणि तक रहलि रे विधना,
यौ हमरा रव्वर परा हाती ? गरीबा...

यौ सुंणनू हम् कि चम्-चम् बिजुलि-
चम्कीं शहर्यौं का ड्यर में,
अन्यर पट्ट रोज द्यौख न्यिरपट्ट
हमुल यौ अपण गों-घर में ।
वां कारखाण मील धरहंणि तील-
जग् न्यिछ ! खुट् कसिक धर म्हैं,
हमर गौं में युं खेतों में
अै हणि क्वे पंछि लै डर म्हैं ।

हे ईश्वर हैली क्या कब्भै
शहर-गों कि एक्मौं-एक्जाती । गरीबा...

Scanned with CamScanner

बखत और हम

हैंसिल,
हम चहौकै दी,
र्‌वेल,
हम दहौकै दी,
चुप्पिल,
हम मौवक्यै दी।
बखत रोज,
च्यापनैं गोय,
ख्यिरोई मटम
छापनैं गोय ॥

Scanned with CamScanner

चितै नि सक्

अन्यार,
सब्ब उज्याव
खै ग्याय
उज्याव,
फिरि मुछ्याव ल्यै ग्याय ।
चितै निसक्
हर्र...
स्यवै गय ।
बिहोश,
क्वो हौंण द्युंछ-
होश में
क्वो औंण द्युँछ ।।

Scanned with CamScanner

तुम निचन रौहौ

तुम निचन रौहौ हम बिचन रहौं ।
बिन् डाइक पन्छि जास रि्यटन रहौं ।।
तुम हर्यीं - भरिया चौमास रौहो
हम झड़ बाधइ जास् झुलन रहौं ।
तुम निचन रौहौ -
हम बिचन रहौं ।।

हातैकि मुनड़ी नग नथुलिक छ्यो,
छ्यी शुरम आंख्यौंमा रव्वार बिन्दी ।
कोंइ हात्योंम् चुड़्यी बणि छाजंछिया,
त्यर आंख्योंक् स्वैंण हम् छ्यी दिन्-द्वी ।

तुम आंखि फ्येरौ या बाटि काटौ, हम
बाट्यिम आँखि त्यार बिछन् रहौं ।
तुम निचन रौहौ
हम बिचन रहौं ।।

मैं माङुल तुम क्ये द्यला मै कैं ?
क्या माङीबैं सब कुछ मिलि जांछैं ?
अमरित बरसौ पर सूर्ज कमल बिन-
सूरज अइअै क्ये खिलि पांछैं ?

Scanned with CamScanner

तुम पुन्यों रातैकि जुन्याइ झुलौं,
हम अमुषी द्यी जास् जवन रहौं ।।
तुम निचन रौहौ
हम बिचन रहौं ।

अद्-पौषी नाजैकि वालड़ि हम
उठि मुनइ जड़ा कुरमुव लागौ ।
अणब्यौ हियका सव स्वैंण झड़ा,
क्या द्यौय तुमुलै क्या मैल माङौ ?

तुम हिटौ च्यापनै बेसुतरां, हम-
झड़िय फूल जास् भ्यींपन रहौं ।
तुम निचन रौहौ
हम बिचन रहौं ।

विन् डाइक पंछि जास्
रियटन रहौ ।
तुम निचन रौहौं,
हम बिचन रहौं ।।
तुम निचन रौहौ...

★

Scanned with CamScanner

बिणाई जुग बजानै गया

जुग बजानैं गय बिणाई
जुग बजानैं गया ।
मनखा यौ मन्थम् अपणा
गीद म्यसानै रया ।। बिणाई...

थानमा दी ढोक बजै घण्टि टनाटन,
सम्पतै लै भ्यान भरी जैं सुख रौ सनातन ।

ढुङौं कैं ढोक नवानै रया,
बिणाई जुग बजानै गया ।।

ह्यीयना सबों लै बुत्यी गङरथों लगुली,
कैकि लगुली पट्ट बुस्यी कैकि फली-फुल्यी ।

ज्ये ज्याम स्ये लवानैं रया ।
बिणाई जुग बजानैं गया ।।

मनस्यात जब पुरि नि हनी पै कौंनी रिखड़ी,
नाचनी मनखों का मनम् सुख-दुःखों का चड़ी ।

फौंकिम घ्वोल लगानै रया ।
बिणाई जुग बजानैं गया ।।

Scanned with CamScanner

खुट् रिंटनी मट्में नझर मथ पुजीं अगास,
कतुकै मनक घ्वड़ दौड़ाऔ व्वी र्‌वटा द्वी गास।
सब्बै ब्वौज बिसानैं गया।
बिणाई जुग बजानैं गया ।।

खुट् मुणौं कौ माट् चहाऔ जो धरौं ख्वरमा,
बांचनी कुनइ क्वौ वांचों मुनइका करमा।
बटै कैं सब्ब घटानै गया ।
बिणाई जुग बजानै गया ।।

सूरज संसार द्यिखां इ्यो द्यखांछ घर,
सब् लै रईं खोजणमा पर यूँ छैं अन्यर ।
अन्यरम अंख रिटानै रया।
बिणाई जुग बजानैं गया ।।

सरगा का तरां में जून कै कैं निलागि भलो,
पर जबा गरणा ले जा विधना! क्ये निचलो।
थाइम छैल चहानैं रया ।
बिणाई जुग बजानैं गया ।।

राज महल चुप्प छैं ठड़ी र्‌राज कल्ला पाड़नो,
हात्-नता जैक जां लै पुजा घ्येरनी बाड़नी ।
हतां कैं खाल्लि नचानैं रया।
बिणाई जुग बजानैं गया ।।

Scanned with CamScanner

जुग जितुला

धरति की पीड़ै कैं बल्दा
चरनैं हिटा रे ।
जु पारी जुग भार कनम्
धरनै हिटा रे ॥

सरगै हैं कैं धात्त लगै बै त्येरि यौ सिङोई,
म्यर जुड़मा भैटिबै तुलै ख्येलिले हिनोई ।
जबलै छा दम जौंल चमाचम खोवै कै मुसोई,
भिड़ कनवां खेत स्यरां कैं ल्हिजुल् खिरोई ।

चौमसी बाधइ जौस तू
उर्यिनै हिटा रे ॥
जू पारी जुग भार कनम्
धरनै हिटा रे ॥

त्यर गौहौकां थ्वप जो जगम पत् पड़िला रे,
भोल उ जगम् बाण बाणिका फूल फुलिला रे ।
जुग मनखा उन फूलौं कैं टप् टिपिला रे,
जाइ बै थानम् द्यप्ता खुटां मुण धरिला रे ।

Scanned with CamScanner

धरती की स्यौनी कैं फूलोंल
भरनै हिटा रे ।
जू पारी जुग भार कनम्
धरनै हिटा रे ।।

हौव-जोतो दिन त्ये कैं आंछत-पिठ्या लगौंला रे,
त्यर खुटां मुण एक दिना मैं स्वर्ग ल्ह्योंला रे
त्येरि एक ठोकर कै मैं सौ जन्म् द्यौंला रे,
हिट् तु आगिल मैं छौं पछिल् जुग जितुला रे ।

बांजि कोखा धरति की कमिन्
करनै हिटा रे ।
जू पारी जुग भार कनम्
धरनै हिटा रे ।।

Scanned with CamScanner

मुश-बिराव

पड़ौं जब,
मुशांक चुचाट ।
है जां औच्याट,
बिराव
द्वाव लागनी,
मुश भाज्जि जानी
बिराव जव
पाड़नी
मुशां हैणि
लराट्
कचूना-कचून
गझूना-गझून में,
जो च्यापी गोय
चित्त रौय
जो भाजि गोय
झित्त रौय ।

Scanned with CamScanner

मुश फिरि

पाड़नी सट्बटाट,

ज्यांणि क्यहैंणि मैंस

लगौंनी जिवाइ,

जिवाइ पारि ताइ,

कथैं क्वे मुश

भाजि न जावौ !

जिवाइ हन्

एक्-आध टुकुड़

र्वाट खै बै

भौत मुश

ज्यौंन छैं

सब्ब विराव

मौन छैं ।

Scanned with CamScanner

टन्काऔ घानी

जै शिवा शंकर जै हो भवानी,
मिलि बेर नान्तिन तुमुकैं मन्यानी ।
पहाड़ी गीदों का चच्कार हैरैं,
सैत आब पहाड़ोंका भल् दिना आनी ।।

छलकी समुन्दर द्यौख बल्कौन हिंवाल,
म्यौर हर्यी भरी आयौ जब आयौ ख्याल ।
हम सब्ब पहाड़ि छिया हरज्यू का लाल,
हर ज्युकि धुणि कैणि अब क्वो च्यतानी ।।
जै शिवा शंकर...

शिव ज्युकि समाधी यां पारबती मैत,
यां श्री गणेश ज्युलै भचकाई दैंत ।
आदि पुरूष मनु यैं हुई पैद,
यांक् चारों बेदों कैं सब्बैं सन्त गानी ।।
जै शिवा शंकर...

गाड़ गद्यार यांक् रूखा-सुकी डन्,
धात लगै बटि कै हरीं दिवेदन ।
पहाड़ौ बिकास श्ये गोछा कुणपन्,
टांक बांदौ नन्तिनौ टन्काऔ घानी ।।
शिवा शंकर...

Scanned with CamScanner

कैकणी सुणानू पहाड़ै डाड़,
काट्यी ग्यीं जंगल सुकिगे गाड़ ।
सब्व ज्वान नान् यां वटि न्है गई टाड़,
क्वो सुणों पहोड़ेकि दु:खों कहाणी ।।
जै शिवा शंकर...

कां वटी कां न्हैं गो आज हिमाचल,
त्रिपुरा मेघालय और ह्यौ अरुणाचल ।
छ्वेटि-म्वोटि जगां मैंजी विकासैकि हल्चल,
गढ़-कुमूं पारि अब कसिक् अैं ज्वानीं ।।
जै शिव शंकर...

परदेशै रै वटि यांक नन् हाय ज्वान,
क्वे गय दिल्लि बम्बइ क्वे राजस्थान ।
जोभन पहाड़ोंकौ घर आं निदान,
जब तैका खुट् हात सब् थाकी जानी ।।
जै शिवा शंकर...

आजादी म्यिलिया भौत हैंगीं साल,
कसिक् हुंल ठाड़ हम् कैल कौयौ ख्याल ।
ल्येखि-पड़िबै यांक नान् साल दर साल्
तलि मलि न्हैं जानी पियरि वी सुन्सानी
जै शिवा शंकर...

नैं यां क्वे कारखाण नैं रोजगार,
नै यां क्ये ठुल्-छवट्टौ वट्टा व्योंपार।
नेता पहाड़ोंका छैं धारों धार,
सरकार तक् क्वौ-यांकि माङा पुजानी ।।
जै शिवा शंकर...

Scanned with CamScanner

ल्येखक कलाकार सेवक समाजक,
राजनीतिक नेता लोग ज्वो लै छैं आजक।
पहाड़क् भलै हैणि एक्जुट्ट हौ - सब्ब,
ठाड़ उठौ अब यांक नान् और नान्यीं,
जै शिवा शंकर...

दैण है जै बागनाथ हम् तुम् सबूहैं,
बिकासैकि उज्यालि फइ जो सबूहैं ।
रोज्जै रय पहाड़ सौ-सौ दुःखों में,
अब कौ बिकासैकि रानि-घानी-मानी ।।
जै शिवा शंकर...

Scanned with CamScanner

खोज

हड़िकों थुपुड़ि पर,
बिल्कनी जब-
कौ-गरूड़ ।
जैकणि तागत हैं,
गिच पारि-
ल्हिजानीं
अगास पुजानी
फिरि लफावनी-
क्वे ठुल ढुङ पर, ।
जैल है जैं-
छिङण-छिङण
फिरि-फिरि,
टिपनी कै-कैक
गारूड़ि अंख,
हड़िकों-
थुपुड़ि में,
हड़िक- भौत छैं,
पर सब्ब,
औत छैं ।।

Scanned with CamScanner

बुस्यिल् ढुङ

अगर हम पहाड़ी भला हन् रिवाड़ी,
तो मजभूत इमारत है जानि एक ठाड़ी ।
मगर क्या युँ नेता क्या जनता क्या हम् तुम्
सबै छौं बुस्यिल् ढुङ सबै छौं बुस्यिल् ढुङ ।।

युँ ल्येखक पहाड़क कलम थामनी जब्
हैं उपमा जो सुन्दर उकैं छांटनी सब्,
क्वे परि कौं दुल्हैणि क्वे बतौं सांवली छब,
जो ठुलि पत्रिका हैंच तै में छापनी तब ।
न्यि सुणि सक पहाड़ै की डाड़ै कैं ल्येखक,
अलंकार एका हैबेर एक भल् छुङ ।।
सबैछौं बुस्यिल् ढुङ...

विजुलि पांणी इस्कूल मोटर सड़क हन्,
मिल्ौंन काम वां फिरि क्यलै हम कथैं जन्
ज्ये हुन् बूस-करकट सबै बांटी बै खन्,
आपण डाइयोंक् फूल हन् आपण डाइयोंक् कन् हन् ।
हमर मालिकोंक याँ सज्याई बगिच छैं,
क्वो छा जैल पहाड़क डनां फूलों कैं सुङ ।।
सबै छौं बुस्यिल ढुङ...

Scanned with CamScanner

हमुल् रव्वेलि रौ मंडल तुमुल् ह्यौ समीती,
निचलि एक में जब पछिल् रव्वेलिदी द्वी-द्वी ।
अपण्यै गझूना गझूनै की नीती,
आप्फी ब्यिति जैपारि ब्यि चलौ हम गों ज्योती ।
हात्-हात् भरी बौंव खुर्सी बै कौंनी,
में ज्ये कौंल् म्यौर कौंच कैं सबै मानला तुम ।
सबै छौं बुस्यिल् ढुङ...

कमाई कै हैंणि आय हो करजम् डुबी छौं,
युं ठुल्-ठुल् शहर हम् कुणापन् लुकी छौं ।
रूपैं सौ पचासैकि कमाईम् सुखी छौं,
अैरैं चिट्टि बैरंङ मैं ओ च्यला दुःखी छौं
हम छौं सनीमा शराबैकि लैनम्,
फट्काई झांकरि छैं लटकाई छैं जुङ ॥
सबै छौं बुस्यिल् ढुङ...

मुनइ कौ उभां डांन्यों कान्यों कैं चाऔ,
युं सुकिया ढयां पारि तुम् पाणित् लफाऔ ।
चमचकार बिजुलिकि तुम् करिबै दिखाऔ,
स्वरगै कैं देखुल् धैं कसिक् वु निआऔ ।
जै दिन म्यर पहाड़ौंका दिन् पल्टि अैंला
तै दिन् बै हिरदा कि कलम् नाचैलि रूम झुम ॥
सबै छौं बुस्यिल ढुङ...

Scanned with CamScanner

महेड़ी

क्ये लेखों पहाड़ा सैंणियौं का गीदा।
रौज्जै रै भागम् थूका फजीता ।।

क्या गरीबों का क्या सौंकारौं सैंणी,
पहाड़ा सैंणियोंल् भुगुती रैंणी ।
मोवैकी डालिलै च्यापी मुनई,
मडुवा र्‌वाटम् लूणै की डई ।

घागरै कौंछड़ि धोती कौ चाव,
हाय वौला हाय कामा रातियै ब्याव ।
जेठैकी धौपर चौमासै स्सूड़,
ह्यौंनैकि ठिंणिम् दाथुलि ज्यूड़ ।

क्वो सुणूछा अेकि पीड़ पुकार,
सैणी डान्योंमा तौं मैंस बजार ।
ठाड़ी हुल्यारम् हिटनी रव्वुटी,
जुगां-जुगां कणि नांपनै टुटी ।

भ्योव पखाड़ौं का गीद गहानैं,
खेतों का वीचम् बिणै बजानैं ।
नाङड़ि खुट्यों मा बुड़िया कानी,
च्यापिंछ पीड़ै कैं क्ये निचितानी ।

Scanned with CamScanner

पहाड़ा सैंणियोंक तप और त्याग,
आप्फि बणाय जैल आपौंण भाग ।
स्वौचौ पहाड़क सौंणियौंक् ल्हिजी,
जो आजि गों बटि गों में न्यिपुजी ।

पैल्ली बैं मां-बैणी हंना पड़िय्या,
निरन् पहाड़ कुणै ख्यड़िया ।
खै निखै इस्कूल पठ्याई नान्
यौं ल्हिबै सामौंव ग्येछा पछिन् ।

नि हौंण दी कार-बारै कैं कम,
आफत-बिपत में भरी दम ।
जड़ा पहाड़ैकि जमै सैंण्यौंलै,
पुराणी लीकम् नौला बैणियोंलै ।

कम्भैं पड़ै हैंणि न्यिथामी पाट्टीं
इनिल् आपणि धौ काटी बाटी ।
पहाड़ा सैंणियोंल् घर द्वार थायौ,
मैसोंक भागम् परदेश आयौ ।
देशम् है रैछ अन्न उगाओ,
मुया ! क्वो पहाड़ उज्याणि चाऔ ?
क्वो ल्हिजां पहाड़ा ढायों में पांणी,
कसिका ढुङौंमा खेती उगांणी ।

फ्यिरि लै पहाड़ैकि हौंसिया च्येली,
इन पहाड़ौं पारि मुनई द्येली ।
नारी समाजम् पहाड़ै नारी,
बिकासै गंगम् पांणी कै धारी ।

Scanned with CamScanner

बखतै दगाड़ दगड़ लै रे,
पारवतिकि यौ च्येलि पछिल् कां रै ?
बिकासौ जमान् जूनम न्है गो,
द्येखौ ! पहाड़ै कैं उजाड़ रै गो ।

नौली उज्याइम् नांचौं रौ जुग,
क्वो बांटौं पहाड़ा सैण्योंकौ दुःख ।
धर्ति बै आगास सैंणी पुजींगीं,
सैंणीं पहाड़क् पहाड़ै चुर्यीं ग्यीं ।

राजुलि सौक्यांण मालू घस्यारी,
रामी-बौराणा पतीब्रता नारी,
पहाड़ा सैण्यौंल् यस काटीं दिन्।
इतिहास इनौर नौं लै निल्हिन ।

आओ पैल्ली अब नारी कैं थापौ,
नारी हैंणि सब्ब आशीष माङौं ।
द्ये महेड़ी ! फिरि शाक्ति पुराणी,
दूदौक दूद कौ पांणिक् पांणो ।

Scanned with CamScanner

सुरा शराब

सुरा-शराबैल् हाय म्येरी मौ, लाल कै दी हो ।
छन् डबलौं ठन् ठन् गोपाल कै दी हो ॥

न प्ये न प्ये कौय सबौंलै कैक्कि न्यि मानी,
सांचि लगौंनी अकला-उमर दघड़ै नि आनी ।
आप्फि मैंलै आफू हैं जंजाल कै दी हो ॥
छन् डबलौं ठन् ठन्-
गोपाल कै दी हो ।

बुड़ वाड्यौं जै-जात् खैदी घरवाई जिंवर,
पेट खैदी नान्-तिनां कौ गोठका डङर ।
कां छी मैं ठ्यक्दार य्येल् कंगांल कै दी हों ॥
छन् डबलौं ठन् ठन्-
गोपाल कै दी हो

अब प्यूं ? क्ये छ्वड़ौं ? जबा खुन चुस्यीगो,
गों गाड़का कुनैं छैं यौक खूंट बुस्यीगो ।
भल् भलों का य्येल बड़ बुर हाल कै दी हो-
छन् डबलौं ठन् ठन्-
गोपाल कै दी हो ॥

Scanned with CamScanner

पन्दर अगस्त

उठौ पहाड़क वीर च्यलाओ,
आंख उघाड़ि बै भ्यार चहाओ ।
आज आजादी पीपण अैग्ये,
गीद गहाओ नङर बजाओ ।

भलिक् समाइया आजादी कणि,
स्वचौ कसिक् यौ म्यिलिछ हमीकणि ।
खूनक द्यो जब जगाय शहीदोंल्
तब हमुकैं धौ मिल् यौ उज्यावौ ।
आज आजादी पीपण अैग्ये,
गीद गहाओ नङर बजाओ ।।

हमर बुजर्गोंल पीड़ प्यि रैछा,
प्राणोंक सांट आजादी ल्हि रैछा ।
आज उनरि यादम् दद्-भुलियौ,
गौं - गौं में कौत्यीक उर्याओ ।
आज आजादी पीपण अैग्ये,
गीद गहाओ नङर बजाओ ।।

Scanned with CamScanner

टाड़ैकि बाटि छौ घाम उलइ रौ,
नौल छौ जोभन भौत उमइ रौ ।
मुछ्यव छिलुक जास सब्ब जइ-बइ बै,
नौली उज्याइ गों-गों में पुजाऔ ।
आज आजादी पौषण अैग्ये,
गीद गहाऔ नङर वजाऔ ।।

चाऔ उंणा-कुणा दुःख कैकैं छैं ।
सुख द्यौ उनुकैणि दुःख जैकैं छैं ।
अंखा अखां का आंस प्वोछणी,
सब्बुक होंटुमा हैंसि छल्काऔ ।
आज आजादी पौषण अै ग्ये,
गीद गहाऔ नङर बजाऔ ।।

दैंण है जो आजौक् दिन सबुकैं,
बुड़-ध्यव ज्वान और नान्-त्यिनौं कैं ।
जै हो दिना त्विल् दिन पल्ट्ाई,
अब यक् सौ सिंगार सज्याऔ ।
आज आजादी पौषण अैग्ये,
गीद गहाऔ नङर वजाऔ ।।

Scanned with CamScanner

लादै पीड़

लादै पीड़ा त्येरि दुहाई ।
कैल नि कै सकि त्येरि उपाई ।।

बैद्यि कौय भौङाव कौयौ,
जगरिया - जतरी बुल्हाई ।
बुल्हाय ग्ांठ-पुत्ाव लगांणी,
डांक्टरौंल् लै दी दवाई ।

रत्ति भरिकौ फरक नि पड़ौ,
कैलै कौय एक पूछ उच्याधै ।
पूछ लै करि निकौव क्ये नै,
कैक्कै लै तू हात् नि आयी ।

छाव - छ्येत्तर झाड़ौ - ताड़ौ,
जैल जौस् कौय व्वौस् करौछा ।
गाड़ै गड़देवि परि – मषाण,
ज्याणि कतुक साड़ि मांड़ि चड़ाई

ज्यौन्नै ज्यी गोय मड़घटम् लै,
डाड़ मारि म्यैंल अधोरातम् ।
पीड़ घरवाइ कैं उठ्यी हैंइ,
म्यैंल सिसोंड़ांक झपक खाई ।

Scanned with CamScanner

तीन दिन तक टुन पड़ी रौय,
ग्वाठ पड़ी डङरौ अड़ाट ।
ख्वौवा-रोव जव पड़ि ननांकी,
तव मकैं थ्वाड़ होश आई ।

उठ दव्वड़ हड़वड़ानें,
खुट्-हतां कैं लड़वड़ानें ।
वदन में उलई दम्व हाय,
जसिक तसिका न्यान चुपाई ।

घरवाइक न्यारै नराट्,
खाट जव् वै पगड़ि, छवेड़ि नैं ।
डङरां हैंणि आव घा क्वो काटो ?
कौंण क्ये ? थामणि पड़ि व्यिटाई ।

ब्या करी वटि आजौ दिन छा,
सन्च कै कैं छा ? क्ये कौं मैं ?
पीड़ में अन्तर क्ये न्हैंतिन्
म्येरि बुस्यी ग्ये सारि कमाई ।

खवर पुछणी न्यारै औंनी,
एक औंणौ हैंक जांणौ,
कतुक मट्यरा तमाखु बिति गो,
'चा' कितोलि रैं चुल चड़ाई ।

जव मुनव-ख्यान भौतै है ग्वोय,
एक दिन् ठानि दी न्यिरा-न्यिरि ।
नै ध्वे बै गोय दचप्ता थानम्,
मुट्ठि पारि द्वी पैंस उच्चाई ।

Scanned with CamScanner

रिट्याय कप्पावम आपण म्यैल,
म्यर इष्टा म्यकैं असज़ अै ग्ये ।
बुजगोंल दूदैल नवै रौ,
आब यौ पीड़ेकि कर उपाई ।

ब्या क्ये कौय झंक मारिछ म्यैलै,
व्वी दिन् बै म्यार फत्याड़ लैरै ।
हलै म्यौर अै सांच्च ईष्टा,
क्ये नै क्ये दि दिये रिहाई ।

चट् पड़ूं सैणी खुटां मुण,
उनिकैं भारी कोंप छुट्यी हैइ ।
समजि गोय पर डर निछौं में
रव्वरम बै टोपुलि निकाई

परमेसर भगवान जो छा !
थामि दिहालौं माफि दि हालौ ।
दिनै रातैकि यौ डड़ाडड़ि,
भौत हैग्ये रव्वर - खपाइ ।

औंतरि गोय म्यैल मारी हाक,
पैं-पैं न्यिछ क्ये लाग्यी-भिजिया ।
पीड़ नै वेधन त्यिपारी,
ठग नखर कैं छै सौनाई ?

पैं-पैं सौनाई सुणि ल्हे,
आब मैं त्येकणि भलिक सादुल ।
वीण - घर ख्येति - पाति वज्यैं बै,
ठारि क्य रै त्विल ? कौं उपाई ?

Scanned with CamScanner

ब्‌ाद रे सौंकारा हात्‌-खुट्‌,
ल्या सिसूणक ढांक ट्‌वोड़ि बै ।
धैं कसिक फिरि भलि निहुनि यौ,
दयखनैं रौ आपणि सौनाई ।

घ्यरी बटि म्येंल इष्ट हैं कौय'
ईष्ट देवा त्यौर भरौस छा ।
मैंल जानौर पिस्‌ अख्वोव कुट,
यौ रै खाटिम्‌ पुठ अड़्याई ।

जब मैं ल्याँण भैटूं सिसूण,
उनिल्‌ य्यीं कौय खुटां पड़िग्ये ।
भिल्‌ पुछौ क्ये छाइ है गो छै,
उनिल गिचि थ्वड़ मल्‌-मलाई ।

तै दिनौंक यौ आजौ दिन्‌ छा,
इन्यिकि फत्यड़ा, मैं पसरि रौं ।
ठुल्‌ दयप्ता भ्‌ार धौ पछ्यांणी,
लादै पीड़ैकि ठुलि दवाई ।।

लादै पीड़ा त्येरि दुहाई ।
कैल नि कैसकि त्येरि उपाई ।।

Scanned with CamScanner

पिडली

छै तु रूपैकि रास रुपसा ।
न्यि द्यख पिउली म्यैंल क्वे त्ये जसा ।।

ग्यिचि बसन्ती रङम रङिया,
मुखड़ि तपमा जोभन् उरिया ।
कौंइ चोपिलि चिफइ प्यांरी,
पीड़ त्ये देखि है जैं हरषा ।
छैं तू रूपैकि रास रुपसा ।।

त्यरा टक्-टक् नाचन आंखी,
कैकि बाटिम रहई टांक्यी ।
पटव ढिकाई अउगी हैंचै,
कै हैंणि हिया का आंख्यी बिबसा ।
छै तू रूपैकि रास रुपसा ।।

पौनै लै थपड़्यै तु मारी,
घामैलै त्ये जवणै ठारी
फिरि लै मुल्-मुला हैंसीं छै,
चम्-चमां जौस थानौ कलषा
छै तू रूपैकि रास रुपसा ।।

Scanned with CamScanner

त्यकैं छुङणम् लाग्यीं कसक,
कसिक् सहारिंछै पांवैकि मसक ।
देख्यौं सित्तिल त्यौर पराणी,
डब-डबैं आंख्यि अै जां तरषा ।
छै तू रूपैकि रास रुपसा ।।

धर्तिकी खुल पूत छे तू,
व्वीको कोखम ग्ये बिलै तू ।
औंछ पतझड़ पौछण त्येकैं,
खोजनै रौं निहय दरशा ।
छै तू रूपैकि रास रुपसा ।।

कैंछ त्येरि हैंसी अबोला,
बिपत - सिपता दगड़ै त्वोला ।
जतुक चुल बुलि उतुकै ढानइ,
इतनि छ्वेटि और इतौन झलषा ।
छै तू रूपैकि रास रुपसा ।।

फूल सौ जातिक छैं फुलिया,
आपंण - आपंण रङम खिलिया ।
पर तु जसि व्वस क्वे नहांतिन,
छल्कनी - ए - त्येमैं सौ रसा ।
छै तू रूपैकि रास रुपसा ।।

★

Scanned with CamScanner

हिट् ये माठू-माठू

यौ जौभन छा जोभन् हिट् ये माठू-माठू ।
तू एक्कै छै गौंपन् हिट् ये माठू-माठू ॥

माथ-माथै उड़िछै, क्य स्वीणा बुण्योंछै,
मुखड़ी उदंकार बानैकि थुपुड़ि छै,
या धर्तिम् पड़ी अेक जूनैकि टुकुड़ि छै ।

त्येकै मिलि री यौछन् हिट् ये माठू-माठू ।
तू एक्कै छै गोंपन् हिट् ये माठू-माठू ॥

अद्पौषी उमर छौ, जरां सी कसर छौ,
धतुरै कै नइ त्येरि पतई कमर छौ,
यौ पतई कमर पारि सबुकी नझर छौ ।

कथैं यौ टुटौ झन् हिट् ये माठू-माठू ।
तू ऐक्कै छै गौंपन् हिट् ये माठू-माठू ॥

न लुठ् ये हिकोई, रङ घोई घोई,
यौ घागरि यौ आङड़ि यौ धोति यौ फतोई,
धम्येलि ख्यलहंरै त्यार पुठ् में हिनोइ ।

क्य बतौं क्य कौं मन् हिट् ये माठू-माठू ।
तू एक्कै छै गौंपन् हिट् ये माठू-माठू ॥

Scanned with CamScanner

होरी अैग्ये

अैग्ये ग्योंनुमें बालड़ि होरी अैग्ये ।
फुल्यी औंख्याड़ि कौंख्याड़ि होरी अैग्ये ।।

अबीरा गुलाल यौस उड़णा लैगों,
हैग्ये लाल यौ गालड़ि होरी अैग्ये । अैग्ये...

भ्यितेरा सुकिया रङिलौ पराणी,
भ्यिजि भ्यार्‌रै यौ आङड़ि होरी अैग्ये । अैग्ये...

ब्येई तक छयी रव्वरम भर्‌यी मोवैकि डाल्यी,
आज कनुलि छापड़ि होरी अैग्ये । अैग्ये...

होरी छ होरिमा ओइ-होइ न करा,
हैरै भेंट ठड़ाठड़ि होरी अैग्ये । अैग्ये...

मार पिचकारि या पर्‌यातैल् छल्‌का,
फ्यिरि कां अैंछ यौ घड़ि होरी अैग्ये । अैग्ये...

सब रंग छैं होरिम् एकरङ छौ होरी,
होरी ट्‌वोकैलि म्येकणि होरी अैग्ये । अैग्ये...

आशीष द्‌यिणियां आशोश द्‌यि जैं ला,
फिरि भेटिया होरि कणि होरी अै ग्ये । अै ग्ये...

जो भागि बंचिला भ्येटिला होरिकैं,
भोल रै जालि रणमणि होरी अैग्ये । अैग्ये...

Scanned with CamScanner

मनखों पड़्यौव मैं

मैं लै छौं ब्यचौ एक,
मन्खों पड्यौव में ।
ठड़ी गों न्यिरा न्यिरि,
हजूरों की स्यौ में ।।

कोछा हो गर्हाक,
सुणौ यां तौ आऔ ।
चहाऔ म्येकैं लै,
क्वे भौ तौ ठराऔ ।।

ज्ये कौला जस् कौला,
कैं मानणी छौं ।
भुक्-तिस रैंहै बै,
सिकौड़ सादणी छौं ।।

क्ये छा की ऐलाक् प्यार,
मैं सच्ची ब्यची जौं ।
दधड़ाक सब ब्येचीगीं,
मैं यकलै बची छौं ।।

Scanned with CamScanner

अध्यल में क्वे ध्यल में,
क्वे डबलम् उठी छैं ।
अठनि क्या चवनि क्वे,
दवनि में टुट्यी छैं ।।

हत्यौंना कनां अैल म्येरि,
कम् रकम् छा ।
सबुंक भौ चड़ी छा,
म्यरै मोल कम् छा ।

सिद्-साद् छौं ढानव छौं
हपकौंण नि औंनौं ।
जांधरला मैं व्वैं रौंल
कैं ढपकौण नि औनों ।।

मजभूत कठिक छौं,
बदनम् भर्यी छौं ।
नै कौंन कैकि चुकुली,
नै क्वे बकतरो छौं ।।

सबोंकैं आपंणि छा,
क्वो द्वहरै कैं चांछौ ?
पड्याव में आपणि चीज,
रव्वेटि क्वो बतांछौ ?

Scanned with CamScanner

ज्याणनी क्वे जाणकूर,
मन्खों पछ्यांण ।
खास्सै कै पारि क्यं,
नि लागि रै चिनाण ।।

क्यलै पड़िरौ मन में,
तुमार चुक्चुकाट ।
तुमार सामणी छौं,
पै क्यछ दुरमुराट ।।

चैहै ल्यौ चितै ल्यौ,
भलिक् मन् पत्यं ल्यौ ।
बड़णीं हैरौ भौ,
तुम पैलिकै हत्यै ल्यौ ।।

मैं ढुङ पारिबै प्यांणि कैं,
फ्वोड़ि बै ल्यणी छौं ।
अगासा तरां कैं लै,
ट्वोड़ि बै ल्यणी छौं ।।

तुमूकैं सकर गुण,
बतै बै क्ये हौल् कौ ।
नि लिहना तुमरि मर्जि,
लिह लियछा तौ भौल छौ ।।

Scanned with CamScanner

तुमर मन् नि पत्यिनौं,
तौ हौरौं कैं औंण द्यौ ।
न लगाऔ खालि भीड़,
क्यं म्यर मौल हौंण द्यौ ।।

मनख और लै छैं,
इतान ठूल वजारम् ।
ल्हिणी क्वे तौ मिलि जाल,
म्येकणि लै हजारम् ।।

क्वो छै रे तू ब्वौया ?,
आपणि ब्वौलि लगौं छै ?
गर्‌हाक छौं मैं त्यौर एक,
तु म्यर मन् अैंगौछै ।।

तू ट्वौड़ि बै तरां कैंणि,
ल्यणी भल मनख छै ।
या खाल्लि बौर्‌याइ छै,
क्वे अमुर्‌या सनक छै ?

पड्यौव मैं त्यरै जास,
मनख भौत आई ।
हमुल् पुस्तौं बैं रोज्जै
मन्खै चराई ।।

Scanned with CamScanner

तू लै एक् सई हिट,
त्यकैं लै द्येखुल् मैं ।
हलै झुट् खड्यै द्युल,
हलै भौल् पुजुल मैं ।।

पगला आपाणि ब्वोलि,
आफ्फी क्वो लगांछा, ?
तू छै एक मनख्यी,
यां माट् ब्येची जांछा ।।

आफूं कैं सबै भौल,
बतौंनी क्वो नौक् छा ?
ब्येच्यिणी ब्येचीं जां,
खरीदण में ध्वौक् छा ।।

निछौं ध्वौक दिणी मैं,
क्यिरी क्याक् ल्हयौं ब्वोलौ ?
यौस क्वो तराज् छा
जो झुटि-सांचि कैं त्वोलौ ?

खरीदण में ध्वौक निछ,
नै ब्येच्यीणै नौक छा ।
'खरीदण ब्येच्यौंण' यौ,
रिवाजै में ध्वौक छा ।।

Scanned with CamScanner

कै दिन् दुन्यी में क्वे,
मनखी यस आलौ ।
जो अँबै पड़्यौवक,
रिवाजै म्यटालौ ॥

तै दिन सारि यौ दुनियां
है जाली निहाल ।
मैं चै रौं क्वे मनखी,
यौस जरूर आल-आल ॥

मैं लै छौं ब्यचौ ऐक,
मन्खौं पड्यौव में ।
ठड़ी गों न्यिरा न्यिरि,
हजूरौं की स्यौव में ॥

★

Scanned with CamScanner

परिचय:-

नौं - हीरासिंह 'राणा'
गौं - डढोई (मानिला)
पड़ाई - माध्यमिक स्कूल तक ।
जन्म - १३ सितम्बर १९४२
शौक - गीद रचण
गीद गहांण
(कुमाउंनी ब्वोली कैं समर्पित)

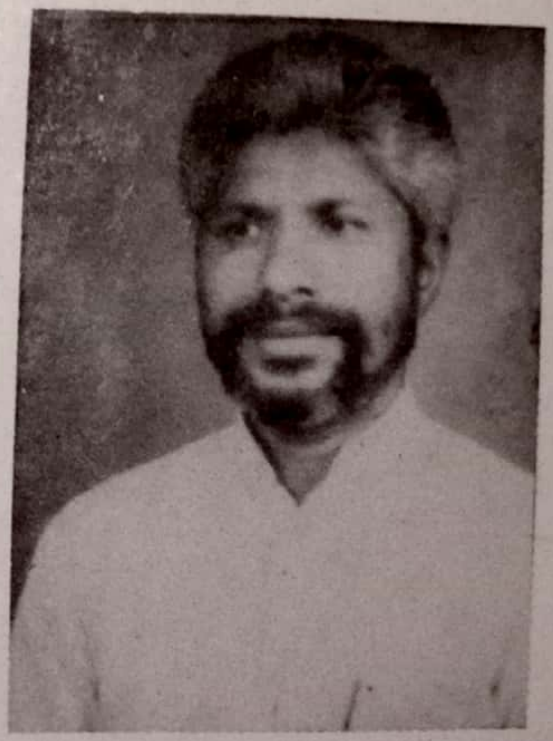

आजतक प्रकाशित साहित्य

१. प्योली और बुरांस (गीद संग्रह)
२. मानिलै डानि (गीद संग्रह)
३. मनखों पड़्यौव मैं (गीद संग्रह)

दिल्ली, कलकत्ता, बम्बई, चंडीगढ़, जैपुर, अजमेर, लखनऊ हरिद्वार और सारै कुमाऊं व गढ़वाल आंचल और आकासवाणी पुरष्कार वितरण समारोह विज्ञान भवन, नई दिल्ली में सफल कुमाऊंनी कार्यक्रम कैरयीं ।

चिट्ठि पत्तरोंक लिहजी ठौर ठिकाण :-

विनती प्रकाशन
पत्रालय - मानिला
जिला - अल्मोड़ा

Scanned with CamScanner